दैनिक भास्कर
dainikbhaskar.com

Jan 01, 1970, 05:30AM IST

GOOGLE की नौकरी छोड़ रह रहे हैं जंगल में, कर रहे हैं बाघों की सेवा

दो युवा इंजीनियरों ने बाघों की सुरक्षा के लिए अच्छे वेतन वाली नौकरी छोड़ दी। इनके द्वारा तैयार सॉफ्टवेयर कार्बेट व काजीरंगा नेशनल पार्क सहित भोपाल के बाघों की सुरक्षा पर चौकस नजर रख रहा है। इसके अलावा जंगल की हर गतिविधि पर भी पैनी नजर रखी जा रही है।

भोपाल. छत्तीसगढ़ के रविकांत सिंह और राजस्थान के राजा ब्रजभूषण ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। इसके बाद एक ने गूगल और दूसरे ने सनगार्ड आईटी कंपनी में अच्छे पद पर ज्वाइन किया। दोनों का यहां मन नहीं लगा। उन्होंने बाघ और जंगल की सुरक्षा के लिए एक सॉफ्टवेयर तैयार करने की ठानी। इसके बाद दोनों ने नौकरी से इस्तीफा देकर बायनो मियल सॉल्यूशंस नामक कंपनी बनाई।

इस कंपनी के बैनर तले दोनों ने आईटी इलेक्ट्रॉनिक आई नामक सॉफ्टवेयर तैयार किया। इस सॉफ्टवेयर की खासियत यह है कि यह बारिश, सर्दी, गर्मी, कोहरा आदि सभी मौसम में बखूबी काम करता है। इस सॉफ्टवेयर को सबसे पहले कार्बेट नेशनल पार्क में लगाकर सफलता हासिल की। इसके बाद काजीरंगा नेशनल पार्क के बाघों की सुरक्षा के लिए इंस्टॉल किया गया।

अब यही सॉफ्टवेयर मप्र के जंगलों के लिए भी इस्तेमाल किया जा रहा है। भोपाल वन मंडल के जंगलों में लगे इस सॉफ्टवेयर को ई-सर्विलांस सिस्टम नाम दिया गया है। जब से यह सिस्टम यहां लगा है, जंगलों की निगरानी आसानी से हो रही है।

मनोबल बढ़ता गया

जंगल से लगाव होने के कारण ऐसा महसूस किया कि बाघों के संरक्षण के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, ताकि हमारी इंजीनियरिंग का सही उपयोग किया जा सके। इसलिए नौकरी छोड़कर इस सॉफ्टवेयर पर लंबे समय तक काम किया, इसके बाद सबसे पहला प्रोजेक्ट कार्बेट नेशनल पार्क में किया। भारत सरकार सहित विदेशों ने भी इसे सराहा तो हमारा मनोबल बढ़ता गया।

रविकांत सिंह, इंजीनियर एवं सीओओ, बायनो मियल सॉल्यूशंस प्रा.लि.

गूगल से ज्यादा अहम

मैं गूगल के लिए काम करता था, लेकिन मन में कुछ अलग करने का हमेशा विचार आता था। लाखों रुपए महीने का पैकेज छोड़कर वन्य प्राणियों के लिए सॉफ्टवेयर तैयार किया। इससे मुझे मेरी पढ़ाई की उपयोगिता सिद्ध करने का मौका मिला। मेरे लिए गूगल से ज्यादा महत्वपूर्ण यही है। इस फील्ड में आगे भी बहुत कुछ करना है।

राजा ब्रजभूषण, चीफ टेक्नीकल ऑफिसर, बायनो मियल सॉल्यूशंस प्रा.लि.

आगे की स्लाइड्स में देखें PHOTOS....

This page printed from: http://www.bhaskar.com/news/MP-BPL-left-google-job-and-live-in-jungle-4846766-PHO.html?seq=1